दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन
समाचार पत्रिका
मासिक
DELHI PRINTERS' ASSOCIATION
ESTD : 1954
संपादक : एच. एल. खन्ना केवल सदस्यों के लिए निःशुल्क वितरण हेतु अंक: जनवरी 2025

IPAMA HOLDS 16TH EDITION OF PRINTPACK EXHIBITION

Mr. Ashwani Gupta, President ALL INDIA FEDERATION OF PRINTERS AND PACKAGERS (recently formed) at the ribbon cutting opening ceremony of 16th edition Printpack India Exhibition, the 3rd Largest in the world and Largest in South Asia. Really a great show spread in 17 jam-packed halls with 582 exhibitors. Kudos to Team IPAMA and all the best to all exhibitors, print associates and students from all the members of All India Federation of Printers and Packagers.

SUNIL JAIN
GEN. SECRETARY

RAJESH SARDANA
TREASURER

MAX ROLLERS
Manufacturers of : RUBBER ROLLERS
Plot No. 356, Sector-38, Phase-1,
HSIIDC, Rai Industrial Estate, Haryana - 131029
classicsandeep@hotmail.com
www.maxrollers.in | www.maxrollers.net

ESTD : 1954

DELHI PRINTERS ASSOCIATION

Office : FLAT NO. 26-A, BLOCK NO. 4, SHANKAR MARKET, CONNAUGHT CIRCUS, NEW DELHI - 110001
PRINTERS BHAWAN : 301, PATPARGANJ INDUSTRIAL AREA, DELHI - 110092
Telephone: 011-23412574 / 23414415 **Mobile:** 9971371109
Email: delhiprintersassociation@gmail.com / delhiprinter@hotmail.com **Website:** www.delhiprintersassociation.org

Presents

रंगों भरी शाम, आपके नाम
खेलो रंग हमारे संग

Colourful Cultural
Holi Extravaganza

शनिवार 8 मार्च 2025, सांय 6:00 बजे

शाह आडिटोरियम
सिविल लाइन्स, दिल्ली

मुकेश कौशिक	पुनीत तलवार	संदीप अग्रवाल	प्रशान्त अग्रवाल
चेयरमैन होली मिलन	प्रधान	मानद् महासचिव	कोषाध्यक्ष
9810514505	9811081291	9811040044	9971214455

ESTD : 1954

PRESIDENT
Mr. Puneet Talwar
Mobile: 98110-81291
IMM. FORMER PRESIDENT
Mr. Prakash Dass
Mobile : 98187-24948
VICE-PRESIDENTS
Mr. Ashok Kumar Nandra
Mobile : 92500-55555
Mr. Chander Mohan Punyani
Moble: 9811011227
Mr. Deepak Bhatia
Mobile: 9810115023

HON. GENERAL SECRETARY
Mr. Sandeep Aggarwal
Mobile: 98110-40044

JOINT-SECRETARIES
Mr. Ashish Verma
Mobile: 9350984666
Mr. Sanjay Sharma
Mobile : 9810643710
TREASURER
Mr. Prashant Aggarwal
Mobile: 9971214455

EXECUTIVE COMMITTEE MEMBERS
Mr. Ajay Sharma
Mobile: 8178429924
Mr. Ashok Aggarwal
Mobile: 9810064038
Mr. D. K. Vohra
Mob: 9810514145
Mr. P. K. Chauhan
Mobile: 9899094076
Mr. Puneet Bajaj
Mobile: 9953322396
Mr. Raghu Nandan Sharma
Mobile : 9811481282
Mr. Rajesh Gupta
Mobile: 9810560777
Mr. Rakesh Kumar Gautam
Mobile: 9910011843
Mr. Rajiv Gupta
Mobile: 9899242919
Mr. S.S. Lunkar
Mobile : 9868150401
Mr. Santosh Kumar Patel
Mobile : 9810653101
Mr. Shiv Dutt Sharma
Mobile : 9810521935
Mr. Simranjot Singh
Mobile: 9990000270
Mr. Sunil Jain
Mobile : 9999769787
Mr. Veenu Gupta
Mobile: 9810086716
Mr. Vijay Jain
Mobile : 9811083737
Mr. Vikas Gaur
Mobile : 9871155294
Mr. Vivek Jain
Mobile: 98102-77339
Mr. Vivek Singhal
Mobile: 9899994806

EXECUTIVE SECRETATRY
Mr. H. L. Khanna
Mobile : 99580-43222
OFFICE SECRETARY
Mr. Sujith S
Mobile : 9971371109
Delhi Printers' Association
Flat No.26-A, Shankar Market,
Block No.4, Connaught Circus,
New Delhi-110 001
Phones: 23414415, 23412574
E-mail: delhiprintersassociation@gmail.com; delhiprinter@hotmail.com

Guinnes World Record Project

Distribution of 5100 Blankets

January 7, 2025 was a red letter day for the Lions Club Delhi West & Kirti when its Chairman Lion Mahinder Budhiraja and other funcrionaries distributed a record number of more than 5,100 blankets to needy persons to provide them with the much-needed relief from the biting cold during the ongoing winter. Besides holding several illustrious titles, Lion Budhiraja also served as President of Delhi Printers' Association.

This mega event, which was organised at the Kirti Nagar Sports Complex, was attended by well-known office bearers of the Club and a number of social and political bigwigs including Corporators.

Those who graced the occasion were the Chief Guest Lion Vishal Vadhehra (1st Vice District Governor), Distingushed Guest Lion Sanjay Gandhi (2nd Vice District Governor) Guest of Honour Lion Vineeta Aggarwal and Past District Governors Lion Harsh Bansal, Lion Rajeev Aggarwal and other dignatories.

It was told that such a social welfare initiative was started 10 years ago with the distribution of 2,100 blankets and after that it grew to a record number of 5,100 blankets for the last three years.

वर्ष 2024–2025 के वार्षिक शुल्क के लिए सदस्यों से अनुरोध

जिन सदस्यों ने अपना वर्ष 2024–2025 का वार्षिक शुल्क अभी तक नहीं भेजा है उन्हें याद दिलाया जा रहा है कि अपना शुल्क स्वयं/कोरियर/डाक द्वारा शीघ्रअतिशीघ्र भेजने की कृपा करें। कुछ सदस्य ऐसे भी हैं जिनका वार्षिक शुल्क 2023–2024 का भी नहीं आया है, उन्हें फिर याद दिलाया जाता है कि लगातार दो वर्ष तक वार्षिक शुल्क न आने पर एसोसिएशन की सदस्यता स्वयं समाप्त हो जाती है। यदि आप वार्षिक चंदा 18 प्रतिशत जीएसटी के साथ बैंक में सीधे जमा करना चाहते हैं तो संस्था के निम्नलिखित दो बैंक खातों में से किसी में भी जमा करवा सकते हैं तथा जमा करने के बाद संस्था को सूचित कर दें। बैंक का विवरण इस प्रकार है:

Delhi Printers' Association
Saving A/c No. 90042010031370
IFSC Code- CNRB0002009
Bank Name - Canara Bank

Delhi Printers' Association
OD A/C No.020700845501
IFSC Code-HDFC0CTJCBL
Bank Name-The Janata
Co-Operative Bank Ltd.

DPA's GST Number 07AAATD0501B1ZQ

NUTAN PRINTERS
Ashok Aggarwal
F-89/12, Okhla Industrial Area Phase-1,
New Delhi-110020
Mob.: + 91-9810064038
Email : nutan_printers@yahoo.com

अध्यक्ष की कलम से

यूं तो मुद्रण उद्योग के विकास में रोजमर्रा की विभिन्न उपयोगी वस्तुओं का योगदान होता है किन्तु इन सब में शिक्षा व सूचना के क्षेत्र सबसे प्रमुख माने जाते हैं। इस योगदान के संदर्भ में हम पाते हैं कि तेजी से विकसित हो रहे 'स्टार्टअप्स' औद्योगिक क्षेत्र में अपना अहम रोल निभा रहे हैं। इन स्टार्ट अप्स ने भारत की अर्थव्यवस्था को गति देते हुए देश की युवा शक्ति को रोजगार देने के साथ पहली बार कुछ नया करने तथा उद्यमिता की दिशा को उभारने का प्रयास किया है। सन् 2014 में प्रधानमंत्री के 'स्टार्टअप इंडिया' अभियान के बाद स्टार्टअप्स के लिए एक नयी दिशा खुली और आज इनकी स्थिति अत्यंत उत्साहजनक एवं विकासशील बन गई है।

हमारे देश में स्टार्टअप्स का विकास मुख्य रूप से दो कारकों के कारण हुआ है, एक सरकार की ओर से दिए गए समर्थन और दो, बढ़ती हुई इंटरनेट उपयोग कर्ताओं की संख्या। स्टार्टअप इंडिया अभियान के अंतर्गत सरकार ने स्टार्टअप्स को टैक्स छूट, आसान नियम-पालन तथा निवेशकों के लिए अधिक सुविधाएं प्रदान की हैं। इसके साथ ही भारत में इंटरनेट की बढ़ती पैठ और स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या ने व्यवसायों के लिए नए-नए अवसर उत्पन्न किए हैं। हर्ष की बात है कि आज हमारा देश दुनिया में तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में उभरा है। भारत में हजारों स्टार्टअप्स हैं जो विभिन्न क्षेत्रों, जैसे टैक्नोलॉजी, फिनटैक, हैल्थ, ई-कॉमर्स, एजुकेशन, एग्रीकल्चर में होने के साथ पर्यावरणीय समाधान सुझाने के लिए भी काम कर रहे हैं। हमारे अनेकों स्टार्टअप्स ने अपनी नई सोच एवं कड़ी मेहनत के दम पर वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बनाई है। फिर भी इस क्षेत्र में अनेकों चुनौतियां आती रहती हैं जिनका समधान भी निकाला जा रहा है। सरकार की नीतियों, निवेशकों की बढ़ती रुचि और आवश्यक तकनीकी क्षमता ने इस क्षेत्र को आगे बढ़ने में मदद की है। हमारे स्टार्टअप्स को प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल से फंडिंग मिल रही है। भारतीय कंपनियों जैसे कि ओला, ज़ोमेटो, पेटीएम, बिग बास्केट, आदि को विदेशी निवेशकों से बड़ी फंडिंग मिली है।

स्टार्टअप्स के उत्थान का सुखद प्रभाव मुद्रण उद्योग पर भी पड़ रहा है। उनके द्वारा बनाए गए माल के प्रचार-प्रसार तथा पैकेजिंग आदि के लिए आवश्यक छपाई की गई सामग्री की मांग दिन-ब-दिन बढ़ रही है। नव वर्ष में यह मांग नई ऊंचाई हासिल करे इसी आशा के साथ।

–पुनीत तलवार, अध्यक्ष

महासचिव की कलम से

नव वर्ष में आप सबका स्वागत करते हुए मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। जैसा कि इस पत्रिका के दिसम्बर 2024 के अंक के कवर पेज पर सचित्र जानकारी छाप कर हमने आपको सहर्ष सूचित किया था दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन ने अपने सभी सदस्यों को नए वर्ष के तोहफे के रूप में भेंट देने के लिए 2025 का कैलेंडर एवं प्रिंटर्स डायरी छापी थी। उच्च स्तरीय कैलेंडर तथा डायरी का विधिवत विमोचन डीपीए के पूर्व प्रधानों तथा माननीय केंद्रीय सड़क व परिवहन राज्य मंत्री (जो डीपीए के पूर्व प्रधान भी रहे) श्री हर्ष मल्होत्रा के कर कमलों द्वारा किया गया था। तत्पश्चात् ये दोनों तोहफे कार्यकारिणी के सदस्यों, स्टाफ एवं कोरियर द्वारा सभी सदस्यों को भेजे गए।

27 दिसम्बर को छपे एक दैनिक समाचार पत्र के अनुसार 26 दिसम्बर को 'सम्वाद @राजनिवास' डायलॉग सीरीज़ के अंतर्गत दिल्ली के कीर्ति नगर, बादली, उद्योग नगर, वजीराबाद, ओखला जैसे औद्योगिक क्षेत्रों के प्रतिनिधियों से दिल्ली के राज्यपाल वी.के. सक्सेना ने मुलाकात की तथा उनके क्षेत्रों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनकर उन्हें सुलझाने का आश्वासन दिया। जिन समस्याओं की ओर प्रतिनिधियों ने राज्यापाल का ध्यान खींचा उनमें मुख्य रूप से पीने योग्य व अन्य पानी की कमी, मंहगे पावर टैरिफ, टूटी सड़कें तथा उन पर बहते गंदे पानी, जगह-जगह बिजली के खंबों पर खराब लाइटें, नाकाफी, फायर स्टेशन, गैर कानूनी कब्जे, लीजहोल्ड एग्रीमैन्ट, फ्रीहोल्ड प्रॉपर्टीज की चिन्ताएं, सौर ऊर्जा प्लांटों के लिए सब्सिडी, ESI हैल्थ सैन्टरों, सीमित बस सेवाएं आदि शामिल थीं। समाचार में आगे बताया गया कि राजनिवास ने इन सभी दिक्कतों को शीघ्र ही मिटाने के लिए एक तरफ तो DDA व Delhi Police की सेवाएं ली हैं तो वहीं दूसरी ओर DSIIDC, MCD, Delhi Jal Board जैसे संस्थानों की सहायता भी सुनिश्चित की गयी।

पिछले कुछ समय से हम सदस्यों को बताते रहे हैं कि पूर्व वर्षों की भांति 2025 में सदस्यों एवं उनके परिवारजनों के मनोरंजन के लिए डीपीए फिर से धमाकेदार व रंगारंग होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन करने जा रहा है। यह कार्यक्रम सिविल लाइंस पर स्थित शाह ऑडिटोरियम में 8 मार्च को हो रहा है जिसकी पूरी जानकारी सदस्यों को भेज दी गयी है। इसके अलावा डीपीए फरवरी माह में 'प्रिन्टर्स डे' 24 तारीख को और 3 तारीख को 'Printer Busines Outlook Conference 2025.' भी कर रहा है जिसमें सभी सदस्य अवश्य भाग लें।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

–संदीप अग्रवाल , महासचिव

TrimStar 3-Knife Trimmer

Trim STAR

Mechanical diagonal cut	Book Size Maximum	Minimum	Trimming
Specs	300 x 440 mm	100 x 140 mm	110 mm
Mechanical speed	20 cycle per minute		

Spares also available

Pramod Engineering
E-3, Rani Jhansi Road, Jhandewala Estate, New Delhi-110055, INDIA
ThreeSideTrimmer.com

For Price & Spare Parts, Ex-Stock,.
PewBindery.in
9810160122

प्रिंटिंग इंक का प्रिंटिंग उद्योग में योगदान

प्रिंटिंग उद्योग आधुनिक समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके माध्यम से समाचार पत्र, किताबें, पैम्फलेट्स, पोस्टर्स और अन्य सामग्रियाँ प्रकाशित की जाती हैं, जो जनसंचार और सूचना के प्रसार में सहायक होती हैं। इस उद्योग में प्रिंटिंग इंक (स्याही) की एक अहम भूमिका है, क्योंकि यह न केवल छपाई प्रक्रिया को संभव बनाती है, बल्कि यह छापे गए सामग्री की गुणवत्ता और स्पष्टता में भी योगदान देती है। इस लेख में, हम प्रिंटिंग इंक के महत्व और इसके विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे।

प्रिंटिंग इंक का मुख्य कार्य कागज या अन्य सामग्री पर स्याही को प्रभावी ढंग से छापना है। इंक में रंगद्रव्य (pigment) और रंगीन द्रव्य (कलम) होते हैं, जो प्रिंटेड सामग्री पर रंग लाते हैं। इसके अलावा, इंक में अन्य तत्व होते हैं जैसे कि रेजिन, वस्कोजिटी (viscosity) नियंत्रक, और अन्य रासायनिक पदार्थ, जो इसकी स्थिरता, गहराई और गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। इन तत्वों की सही मिश्रण और अनुपात प्रिंटिंग की गुणवत्ता को निर्धारित करते हैं।

प्रिंटिंग इंक के प्रकार और उसकी गुणवत्ता विभिन्न प्रकार की प्रिंटिंग तकनीकों पर निर्भर करते हैं। सबसे सामान्य प्रकार की इंक में शामिल हैंरू ऑयल–बेस्ड इंक, वॉटर–बेस्ड इंक और सॉल्वेंट–बेस्ड इंक। प्रत्येक प्रकार की इंक का उपयोग अलग–अलग प्रकार की प्रिंटिंग मशीनों और कार्यों के लिए किया जाता है। उदाहरण के लिए, ऑयल–बेस्ड इंक का उपयोग मुख्य रूप से डिजिटल और फ्लेक्सोग्राफिक प्रिंटिंग में किया जाता है, जबकि वॉटर–बेस्ड इंक का उपयोग कम विषैले पदार्थों के कारण अधिक पारिस्थितिकी के अनुकूल विकल्प के रूप में किया जाता है।

प्रिंटिंग इंक का उपयोग केवल गुणवत्ता और स्पष्टता के लिए नहीं, बल्कि उत्पादन की गति और लागत को भी प्रभावित करता है। अच्छी गुणवत्ता वाली इंक से प्रिंटिंग प्रक्रिया की गति तेज होती है, क्योंकि यह तेजी से सूखती है और स्थिरता बनाए रखती है। इसके साथ ही, उच्च गुणवत्ता की इंक से प्रिंटेड सामग्री अधिक स्पष्ट और जीवनकाल में लंबी होती है। इसके विपरीत, खराब गुणवत्ता की इंक से न केवल प्रिंटेड सामग्री की गुणवत्ता प्रभावित होती है, बल्कि प्रिंटिंग मशीन की कार्यक्षमता भी कम होती है, जो अंततः उत्पादन लागत को बढ़ा देती है।

प्रिंटिंग इंक का पर्यावरण पर भी प्रभाव होता है। पारंपरिक इंक में अक्सर ऐसे रसायन होते हैं जो पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकते हैं। हालांकि, वर्तमान समय में, पर्यावरण मित्र इंक का विकास हुआ है, जिसमें प्राकृतिक रंगद्रव्य और कम हानिकारक रसायनों का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा, इंक के पुनः उपयोग की प्रक्रिया भी प्रिंटिंग उद्योग में अपनाई जा रही है, जिससे कचरे को कम किया जा सकता है।

अंततः, प्रिंटिंग इंक प्रिंटिंग उद्योग के संचालन में एक अनिवार्य तत्व है। यह न केवल उत्पादन की गुणवत्ता और लागत पर प्रभाव डालती है, बल्कि पर्यावरणीय प्रभावों को भी नियंत्रित करने में मदद करती है। प्रिंटिंग उद्योग की निरंतर प्रगति के साथ, इंक के विकास और नवाचार के अवसर भी बढ़ रहे हैं, जिससे यह उद्योग और अधिक प्रभावी और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बन सकता है।

LONG LIVE PRINT

I know I am late with my happy new year's wishes but I have acceptable excuse. First my love for you is so profound I needed extra time to find the most appropriate words. Second I was waiting for the printed greetings all this time.

Not a long ago, the new year was associate with colourful greeting cards from all over the world. Some cards got displayed on tables, some went into scrapbooks of children, some were simply stored for the emotional value they carried and their postage stamps used to find a home in philatelic books.

Inside were the hand written wishes and blessings by friends, relatives, associates and long forgotten classmates; you felt connected to the whole world. The New Year was not just a single moment rather it stretched for couple of weeks as the postman used to bring greetings days after day posted on different days by friends from different locations. The smile on the postman's face was also noticeable as we reacted while he delivered these cards to us. I was fortunate to receive couple of printed greeting cards, these cards reminded me of the emotions of the New Year and the value of printed greetings.

So why not revive the festivals, why not post the Greetings.

(Dr. Kamal Chopra)
Former President AIFMP

एक रुपए का नोट 108 साल पहले सर्वप्रथम प्रिंट हुआ

एक सौ आठ साल पहले 30 नवंबर 1917 को एक रुपए का नोट सामने आया जिस पर ब्रिटेन के राजा जॉर्ज पंचम की तस्वीर छपी थी। इसकी शुरुआत का इतिहास भी बड़ा दिलचस्प है। हुआ यूं कि दौर था पहले विश्वयुद्ध का और देश में हुकूमत थी अंग्रेजों की। उस दौरान एक रुपए का सिक्का चला करता था जो चांदी का हुआ करता था लेकिन युद्ध के चलते सरकार चांदी का सिक्का ढालने में असमर्थ हो गई और इस प्रकार 1917 में पहली बार एक रुपए का नोट लोगों के सामने आया। इसने उस चांदी के सिक्के का स्थान लिया।

दो बार बंद हो चुकी है इसकी छपाई

भारतीय रिजर्व बैंक की वेबसाइट के अनुसार इस नोट की छपाई को पहली बार 1926 में बंद किया गया क्योंकि इसकी लागत अधिक थी। इसके बाद इसे 1940 में फिर से छापना शुरु कर दिया गया जो 1994 तक अनवरत जारी रहा। बाद में इस नोट की छपाई 2015 में फिर शुरु की गई।

खुद भारत सरकार करती है इसकी छपाई

इस नोट की सबसे खास बात यह है कि इसे अन्य भारतीय नोटों की तरह भारतीय रिजर्व बैंक जारी नहीं करता बल्कि स्वयं भारत सरकार ही इसकी छपाई करती है। इस पर रिजर्व बैंक के गवर्नर का हस्ताक्षर नहीं होता बल्कि देश के वित्त सचिव का दस्तखत होता है। इतना ही नहीं कानूनी आधार पर यह एक मात्र वास्तविक 'मुद्रा' नोट (करेंसी नोट) है बाकी सब नोट धारीय नोट (प्रॉमिसरी नोट) होते हैं जिस पर धारक को उतनी राशि अदा करने का वचन दिया गया होता है।

नोट पर होती है एक रुपए के सिक्के की तस्वीर

दादर के एक प्रमुख सिक्का संग्राहक गिरीश वीरा ने कहा, ''पहले विश्वयुद्ध के दौरान चांदी की कीमतें बहुत बढ़ गईं थी। इसलिए जो पहला नोट छापा गया उस पर एक रुपये के उसी पुराने सिक्के की तस्वीर छपी। तब से यह परंपरा बन गई कि एक रुपए के नोट पर एक रुपये के सिक्के की तस्वीर भी छपी होती है।''

शायद यही कारण है कि कानूनी भाषा में इस रुपए को उस समय 'सिक्का' भी कहा जाता था। पहले एक रुपए के नोट पर ब्रिटिश सरकार के तीन वित्त सचिवों के हस्ताक्षर थे। ये नाम एमएमएस गुब्बे, एसी मैकवाटर्स और एच. डेनिंग थे। आजादी से अब तक 18 वित्त सचिवों के हस्ताक्षर वाले एक रुपए के नोट जारी किए गए हैं। वीरा के मुताबिक एक रुपये के नोट की छपाई दो बार रोकी गई और इसके डिजाइन में भी कम से कम तीन बार आमूल–चूल बदलाव हुए लेकिन संग्राहकों के लिए यह अभी भी अमूल्य है।

–इंडिया टी.वी. से साभार

S.R.K. GRAPHICS

For Quality Output Input. Scanning Manual Negative Positive Pasting Etc.

F-6-1/536, Gali No. 4A, Friends Colony
Industrial Area, G.T. Road, Shahdara, Delhi-110 095
* Mob.: +91-9810521935 * Email: Srkgraphics@gmail.com

भारत में मुद्रण उद्योग पर MSME मंत्रालय की भूमिका

भारत में मुद्रण उद्योग एक महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र है, जो न केवल देश के आंतरिक बाजारों को सेवाएँ प्रदान करता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारतीय उत्पादों की पहचान बनाता है। छोटे और मंझले उद्योग (MSME) इस क्षेत्र का अभिन्न हिस्सा हैं, जो समग्र अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं। डैडम् मंत्रालय ने इस उद्योग के विकास के लिए कई योजनाएँ और पहलें शुरू की हैं, जिनसे मुद्रण उद्योग को वित्तीय सहायता, तकनीकी सुधार, और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिली है।

MSME मंत्रालय ने छोटे मुद्रण उद्योगों को सस्ती दरों पर ऋण और सब्सिडी प्रदान की हैं। इन ऋणों के माध्यम से, छोटे मुद्रक नवीनतम तकनीकों और उच्च गुणवत्ता वाली मशीनरी का उपयोग कर सकते हैं। इससे उनकी उत्पादन क्षमता और उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होता है। मंत्रालय की ऋण योजनाओं के अंतर्गत छोटे व्यवसायों को व्यावसायिक विस्तार के लिए आसान कर्ज मिल जाता है, जिससे वे अपने कार्यों को और बेहतर तरीके से संचालित कर सकते हैं।

कौशल विकास और प्रशिक्षण

मुद्रण उद्योग में कार्यरत कर्मचारियों और उद्यमियों को प्रशिक्षित करने के लिए MSME मंत्रालय ने कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कर्मचारियों को नई तकनीकों, जैसे डिजिटल प्रिंटिंग, उन्नत स्याही, और गुणवत्ता नियंत्रण में प्रशिक्षण प्रदान करना है। इससे उद्योग की दक्षता बढ़ी है और छोटे मुद्रक वैश्विक मानकों के अनुसार उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद देने में सक्षम हो पाए हैं।

प्रौद्योगिकी का समर्थन

MSME मंत्रालय ने मुद्रण उद्योग में तकनीकी सुधार की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मंत्रालय ने छोटे मुद्रण घरों को नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है, जैसे डिजिटल प्रिंटिंग, ऑटोमेटेड मशीनरी, और पर्यावरणीय रूप से सुरक्षित स्याही का उपयोग। इससे छोटे उद्योगों को न केवल उत्पादन लागत कम करने में मदद मिली है, बल्कि उनके उत्पादों की गुणवत्ता भी बढ़ी है।

निर्यात प्रोत्साहन

MSME मंत्रालय ने भारतीय मुद्रण उद्योग को वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रोत्साहित किया है। मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों और विपणन गतिविधियों के माध्यम से भारतीय मुद्रण उद्योग को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने का प्रयास किया है। इससे भारतीय मुद्रक अब वैश्विक स्तर पर अपने उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं और उच्च गुणवत्ता वाली मुद्रण सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

निष्कर्ष

MSME मंत्रालय का भारतीय मुद्रण उद्योग पर गहरा प्रभाव पड़ा है। वित्तीय सहायता, तकनीकी सुधार, कौशल विकास और निर्यात प्रोत्साहन के माध्यम से इस मंत्रालय ने उद्योग को विकास की दिशा में कई नए अवसर प्रदान किए हैं। छोटे और मंझले मुद्रण उद्योगों को समर्थन देने से न केवल उनकी प्रतिस्पर्धा बढ़ी है, बल्कि उन्होंने वैश्विक बाजारों में भी अपनी पहचान बनाई है। इस प्रकार, MSME मंत्रालय का योगदान भारतीय मुद्रण उद्योग के समग्र विकास में अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

पंजाब केसरी के प्रधान संपादक पद्मश्री विजय कुमार चोपड़ा के 94वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं

31 जनवरी को पंजाब केसरी के प्रधान संपादक और आल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर्स के पूर्व अध्यक्ष पद्मश्री विजय कुमार चोपड़ा का 94वां जन्म दिन ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन द्वारा मनाया गया। श्री चोपड़ा प्रिंटर्स और पत्रकार विरादरी के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहे हैं। दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन उन्हें जन्म दिन पर उनकी दीर्घायु की कामना के साथ हार्दिक बधाई प्रेषित करती है।

"Trusted Name In Used Offset Machine Business Since 1992"

BHAVIN B. JOSHI

Siddhi Enterprise

10, Indrabaug Society, Near Panchshil Bus- Stop, Usmanpura,
Ahmedabad-13, Guiarat, India, Mob.: + 919427030312, + 918141198961
Email: pressoffset@yahoo. com

Printed at Shalimar Offset Press, New Delhi-110002

International Exhibition on
Print, Signage and Indoor & Outdoor Advertising Solutions
mediaexpo
MUMBAI
10 – 12 April 2025
Bombay Exhibition Centre, Mumbai,India
Visitor Registration Open
Where Ideas Meet Technology
www.themediaexpo.com
For assistance contact:
Sudhakar Surlekar
Tel.: +91 22 61445972
sudhakar.surlekar@india.messefrankfurt.com
messe frankfurt
Register Now
Scan QR code